समाचार साक्षरता
(News Literacy)

DR. PAWAN KOUNDAL
ASSOCIATE PROFESSOR, DEPARTMENT OF NEW MEDIA
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION, NEW DELHI

विषय सूची

- समाचार क्या है?
- विशेषताएँ
- समाचार साक्षरता
- समाचार साक्षरता का महत्व
- विश्वसनीयता का मूल्यांकन
- क्लिकबेट को समझना

समाचार क्या है

समाचार किसी भी **वर्तमान घटना**, **महत्वपूर्ण विकास**, या **सार्वजनिक रुचि के विषय** को संदर्भित करता है।

आमतौर पर समाचारों को **अखबारों**, **टेलीविज़न**, **रेडियो**, **इंटरनेट साइटों** और **सोशल मीडिया** जैसे **मीडिया माध्यमों** के ज़रिए प्रस्तुत किया जाता है।

विशेषताएँ

वस्तुनिष्ठता (Objectivity)

इसका अर्थ है समाचारों की रिपोर्टिंग को **निष्पक्ष, संतुलित और निर्भीक तरीके से प्रस्तुत करना**, जिसमें **व्यक्तिगत पक्षपात, राय या भावनाएँ** शामिल न हों।

वस्तुनिष्ठता

विश्वास और विश्वसनीयता :
निर्पेक्ष, विश्वसनीय और भरोसेमंद समाचार प्रस्तुत करके दर्शकों के साथ विश्वास स्थापित करता है। *उदाहरण:* किसी नीति पर सभी पक्षों के तथ्यों के साथ संतुलित रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व : किसी मुद्दे के सभी दृष्टिकोणों को निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाए और हर पक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिले। *उदाहरण:* किसी विरोध प्रदर्शन की रिपोर्टिंग में प्रदर्शनकारियों और अधिकारियों—दोनों के साक्षात्कार शामिल करना।

तथ्य और राय में अंतर :
तथ्यात्मक रिपोर्टिंग और व्यक्तिगत राय के बीच स्पष्ट अंतर करता है, जिससे दर्शक दोनों को अलग-अलग पहचान सकें। *उदाहरण:* किसी कानूनी मामले के तथ्यों की रिपोर्टिंग को संपादकीय विचारों से अलग प्रस्तुत करना।

पक्षपात में कमी:
व्यक्तिगत या संस्थागत पक्षपात को कम करने के लिए निष्पक्ष भाषा और संतुलित कवरेज का उपयोग करता है। *उदाहरण:* राजनीतिक उम्मीदवारों पर रिपोर्टिंग करते समय किसी के प्रति पक्षपात दिखाए बिना तटस्थ रूप से समाचार प्रस्तुत करना।

विशेषताएँ

समयबद्धता (Timeliness)

समाचार प्रायः हाल की घटनाओं या विकास पर केंद्रित होते हैं।

जानकारी जितनी अधिक ताज़ा होती है, उसके समाचार योग्य माने जाने की संभावना उतनी ही अधिक होती है।

किसी प्राकृतिक आपदा या राजनीतिक घटना से संबंधित ताज़ा समाचार।

प्रासंगिकता (Relevance)

समाचार अपने लक्षित दर्शकों के लिए प्रासंगिक होना चाहिए। जो बात एक समुदाय या देश में समाचार योग्य मानी जाती है, वह दूसरे में आवश्यक नहीं कि उतनी ही महत्वपूर्ण हो।

किसी छोटे कस्बे के स्थानीय चुनाव वहाँ के लोगों के लिए समाचार योग्य हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर तभी महत्व रखते हैं जब उनका व्यापक प्रभाव हो।

निकटता (Proximity)

किसी महत्वपूर्ण स्थानीय घटना का महत्व स्थानीय पाठकों के लिए अंतरराष्ट्रीय समाचारों से अधिक हो सकता है। जो घटनाएँ दर्शकों के अधिक निकट होती हैं, उन्हें सामान्यतः अधिक कवरेज दी जाती है।

किसी महत्वपूर्ण स्थानीय घटना का महत्व स्थानीय पाठकों के लिए अंतरराष्ट्रीय समाचारों से अधिक हो सकता है।

प्रभाव (Impact)

किसी घटना का संभावित प्रभाव या महत्व उसे समाचार योग्य बना सकता है। वे कहानियाँ जो बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करती हैं या समुदाय पर गहरा असर डालती हैं, आमतौर पर प्राथमिकता पाती हैं।

किसी बड़े सरकारी नीति परिवर्तन या जनस्वास्थ्य संकट की खबर।

प्रसिद्धि (Prominence)

प्रमुख व्यक्तियों (जैसे—सेलिब्रिटी, राजनेता या व्यावसायिक नेता) की भागीदारी किसी समाचार की महत्ता बढ़ा सकती है।

राष्ट्रपति या किसी प्रसिद्ध हस्ती द्वारा दिया गया बयान।

संघर्ष (Conflict)

ऐसी कहानियाँ जो भावनाओं को जगाती हैं, चाहे वे प्रेरणादायक हों, दुखद हों या मन को छू लेने वाली, अक्सर समाचार योग्य मानी जाती हैं।

राजनीतिक बहसें, कानूनी संघर्ष या सामाजिक विरोध जैसे विषय जो तनाव और असहमति के माध्यम से जन-रुचि को आकर्षित करते हैं।

नवीनता (Novelty)

असामान्य , दुर्लभ या चौंकाने वाली घटनाएँ अधिक समाचार योग्य मानी जाती हैं, क्योंकि वे सामान्य घटनाओं से अलग और ध्यान आकर्षित करने वाली होती हैं।

किसी असामान्य मौसमीय घटना या कोई खोज।

मानवीय रुचि (Human interest)

समाचार अक्सर संघर्षों, विवादों या मतभेदों को उजागर करते हैं, क्योंकि ये विषय अधिक ध्यान आकर्षित करते हैं और दर्शकों को जोड़कर रखते हैं।

किसी व्यक्ति का कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करना या किसी जरूरतमंद की मदद के लिए समुदाय का एकजुट होना

मीडिया साक्षरता / समाचार साक्षरता

मीडिया साक्षरता (Media Literacy) सभी प्रकार के मीडिया — जैसे समाचार, मनोरंजन, विज्ञापन और सोशल मीडिया — की व्यापक समझ को शामिल करती है। इसका उद्देश्य है मीडिया के प्रभाव को पहचानना, सामग्री का मूल्यांकन करना और स्वयं जिम्मेदार रूप से सामग्री का निर्माण करना।

समाचार साक्षरता (News Literacy) मीडिया साक्षरता का एक subset है,
जो **समाचार सामग्री** पर केंद्रित होता है। इसमें शामिल है:

- रिपोर्टिंग में **पक्षपात (bias)** की पहचान करना
- **स्रोतों की विश्वसनीयता (credibility)** की जांच करना
- **भ्रम फैलाने वाली जानकारी (misinformation)** और
- **भ्रामक जानबूझकर फैलाई गई जानकारी (disinformation)** का पता लगाना

समाचार साक्षरता क्या है?

समाचार और जानकारी का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने की क्षमता।

- यह समझना कि समाचार कैसे बनाए जाते हैं।
- विश्वसनीय स्रोतों की पहचान करना।
- समाचार में पक्षपात या दृष्टिकोण को समझना।
- तथ्यों और राय के बीच अंतर जानना।
- झूठी या भ्रामक जानकारी के प्रति सतर्क रहना।

समाचार साक्षरता का महत्व

डिजिटल युग में समाचार साक्षरता का महत्व तेजी से बढ़ रहा है,
जहाँ जानकारी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और भ्रामक सूचनाएँ बहुत तेज़ी से फैलती हैं।

यह अत्यंत आवश्यक है कि हम:

- **तथ्य और कल्पना में अंतर कर सकें,**
- **पक्षपात को पहचान सकें,** और
- **समाचार के समाज पर प्रभाव को समझ सकें।**

समाचार बनाम राय

यह पहचानना कि कोई लेख समाचार रिपोर्ट है या

संपादकीय /राय लेख,

और यह समझना कि इस भेद का सामग्री पर क्या प्रभाव पड़ता है।

उदाहरण : समाचार पत्रों के **ओप-एड (Op-ed)** अनुभाग में अक्सर

ऐसे लेख प्रकाशित होते हैं जो लेखक के व्यक्तिगत विचारों को

दर्शाते हैं, न कि वस्तुनिष्ठ (objective) रिपोर्टिंग को।

लेबलिंग और अनुभाग निर्धारण (Labeling and Section Placement)

- क्या लेख को **"Opinion"**, **"Editorial"**, **"Analysis"** या **"Commentary"** के रूप में चिह्नित किया गया है?
- क्या यह लेख उस अनुभाग में प्रकाशित है जो आमतौर पर **राय संबंधी लेखों (जैसे Op-Ed या Editorial Page)** के लिए निर्धारित होता है?

लेखक का दृष्टिकोण (Author’s Perspective)

- क्या लेखक अपने **व्यक्तिगत विचारों** या **व्यक्तिपरक व्याख्याओं** को व्यक्त करता है?
- क्या लेख में ऐसे वाक्यांश प्रयुक्त हैं जैसे — *“I believe” (मेरा मानना है), “In my opinion” (मेरे विचार में)*, या *“We should” (हमें चाहिए कि)*?

व्यक्तिपरक भाषा का प्रयोग (Use of Subjective Language)

- क्या लेख में **भावनात्मक या व्यक्तिपरक शब्दावली** का प्रयोग किया गया है?

जैसे — *“terrible” (भयानक), “outrageous” (अपमानजनक), “wonderful” (शानदार)* आदि।

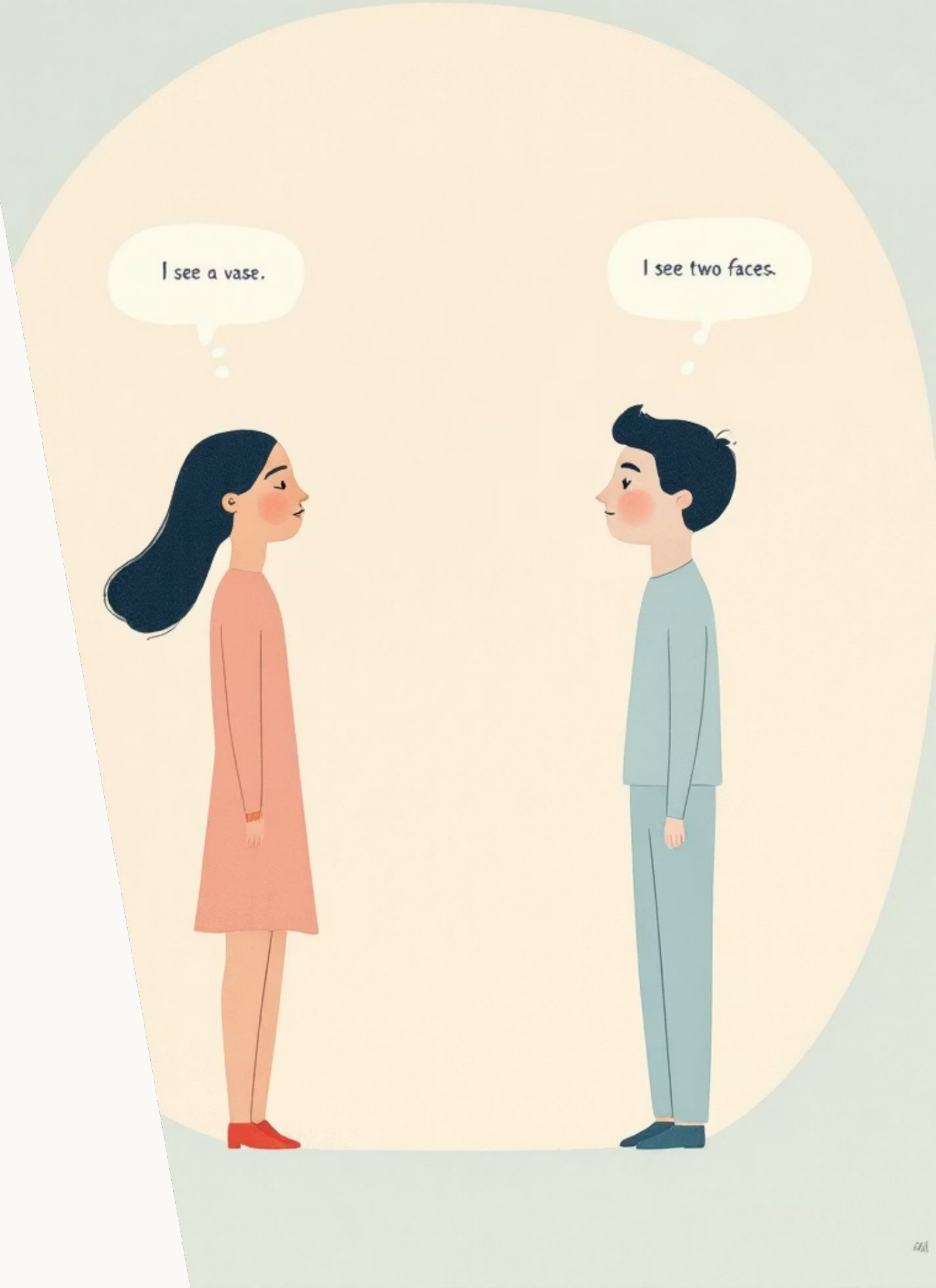

क्या लेख मुख्य रूप से सत्यापनीय तथ्यों और आँकड़ों को बिना किसी व्याख्या के प्रस्तुत करता है?

यदि हाँ — तो **यह एक समाचार रिपोर्ट (News Report)** है।

लेखक की पहचान और विशेषज्ञता (Author’s Identity and Expertise)

- क्या लेखक को **columnist (स्तंभकार)**, **commentator (टिप्पणीकार)** या **किसी विशेष दृष्टिकोण वाले विशेषज्ञ** के रूप में पहचाना गया है?

👉 यदि हाँ — तो **यह एक राय लेख (Opinion Piece)** है।

लेख का उद्देश्य (Purpose of the Article)

- क्या लेख का मुख्य उद्देश्य **तथ्यों की जानकारी देना और रिपोर्ट करना** है?

👉 यदि हाँ — तो **यह एक समाचार रिपोर्ट (News Report)** है।

मजबूत, रायपूर्ण भाषा (Strong, Opinionated Language)

जब शीर्षक या लेख में तीखी या रायपूर्ण भाषा का प्रयोग किया जाता है, तो यह इस बात का संकेत होता है कि सामग्री **राय लेख (Opinion Piece)** है।

तटस्थ, तथ्य-केन्द्रित भाषा (Neutral, Fact-Focused Language)

यदि शीर्षक या लेख तटस्थ रहता है और "**कौन, क्या, कब, कहाँ, क्यों और कैसे (5W1H)**" जैसे प्रश्नों के उत्तर देने पर केंद्रित है, तो यह आम तौर पर **समाचार रिपोर्ट (News Report)** होती है।

5W1H

“5Ws और 1H” पत्रकारिता और सूचना-संग्रह में उपयोग किया जाने वाला एक मूलभूत ढांचा है, जो किसी कहानी या विषय की व्यापक कवरेज सुनिश्चित करता है।

यह जानकारी को स्पष्ट रूप से संरचित करने और प्रमुख प्रश्नों के उत्तर देने में मदद करता है।

1. **Who (कौन):** इसमें कौन शामिल है या किस पर प्रभाव पड़ा है?
2. **What (क्या):** क्या हुआ या किस विषय पर चर्चा हो रही है?
3. **When (कब):** यह घटना कब हुई?
4. **Where (कहाँ):** यह घटना कहाँ हुई?
5. **Why (क्यों):** यह क्यों हुई या यह क्यों महत्वपूर्ण है?
6. **How (कैसे):** यह कैसे हुई?

संरचना और शैली (Structure and Style)

•क्या लेख की संरचना एक स्पष्ट **शुरुआत**, **मध्य और अंत** के साथ किसी **कहानी (narrative)** या **तर्क (argument)** पर केंद्रित है?

👉 तो यह संभवतः एक **राय लेख (Opinion Piece)** है।

•क्या लेख **सीधी**, **वस्तुनिष्ठ (objective)** शैली में लिखा गया है और जानकारी देने पर केंद्रित है?

👉 तो यह संभवतः एक **समाचार रिपोर्ट (News Report)** है।

समाचार की विश्वसनीयता का मूल्यांकन

किसी हाल के समाचार को लें और उसके स्रोत की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करें।

इसके लिए प्रकाशन के **इतिहास** , **संतुलन (balance)** और समाचार में उद्धृत **साक्ष्यों (evidence)** का अध्ययन करें।

समाचार की विश्वसनीयता का मूल्यांकन

इस चेकलिस्ट का उपयोग करें ताकि किसी हाल की समाचार कहानी की विश्वसनीयता का मूल्यांकन किया जा सके।

पहलू (Aspect)	**मापदंड** (Criteria)
प्रकाशन का इतिहास (Publication History)	क्या प्रकाशन प्रतिष्ठित और स्थापित है?
क्या प्रकाशन निष्पक्ष रिपोर्टिंग के लिए जाना जाता है?	
उद्धृत साक्ष्य (Evidence Cited)	क्या स्रोत स्पष्ट रूप से पहचाने गए और सत्यापनीय हैं?
क्या लेख में विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त आँकड़े, डेटा या प्रत्यक्ष उद्धरण शामिल हैं?	
क्या प्राथमिक स्रोतों के लिए हाइपरलिंक या संदर्भ दिए गए हैं?	
दृष्टिकोण का संतुलन (Balance of Viewpoints)	क्या लेख में अनेक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए गए हैं?
क्या भाषा तटस्थ और वस्तुनिष्ठ है?	

समाचार स्रोतों को समझना

किसी एक समाचार कहानी का चयन करें

और देखें कि उसे कम से कम तीन अलग-अलग प्रकार के स्रोतों में कैसे प्रस्तुत किया गया है —

1. **मुख्यधारा का समाचार पत्र (Mainstream Newspaper)**
2. **केवल डिजिटल समाचार प्लेटफ़ॉर्म (Digital-only News Platform)**
3. **सोशल मीडिया पोस्ट (Social Media Post)**

तुलना करें:

हर स्रोत उस समाचार को **कैसे प्रस्तुत करता है**,

उसकी **भाषा**, **दृष्टिकोण**, **तथ्य और टोन** में क्या अंतर है।

समाचार स्रोतों को समझना

1. मुख्यधारा के समाचार पत्र (Mainstream Newspaper)

- **प्रस्तुति (Presentation):** विस्तृत लेख, निष्पक्ष प्रस्तुति
- **भाषा (Language):** औपचारिक और तथ्यात्मक
- **कवरेज की गहराई (Depth of Coverage):** गहन विश्लेषण और संदर्भ सहित जानकारी

2. केवल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म (Digital-Only Platform)

- **प्रस्तुति (Presentation):** मल्टीमीडिया तत्वों के साथ आधुनिक प्रस्तुति
- **भाषा (Language):** संवादात्मक और आकर्षक
- **कवरेज (Depth of Coverage):** आगे पढ़ने के लिंक, विशेषज्ञों की राय शामिल

3. सोशल मीडिया पोस्ट (Social Media Post)

- **प्रस्तुति (Presentation):** छोटे पोस्ट, अधिकतर दृश्य सामग्री पर आधारित
- **भाषा (Language):** अनौपचारिक और सनसनीखेज़
- **कवरेज की गहराई (Depth of Coverage):** संक्षिप्त जानकारी

क्लिकबेट को समझना

क्लिकबेट (Clickbait) ऐसा सामग्री होता है जिसे लोगों का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें क्लिक करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से बनाया जाता है।
इसमें अक्सर **सनसनीखेज़ या भ्रामक शीर्षकों** का उपयोग किया जाता है।
यह आमतौर पर **अतिशयोक्ति (exaggeration)** या **धोखे (deception)** पर आधारित होता है ताकि उपयोगकर्ता उत्सुक होकर उस पर क्लिक करें।

क्लिकबेट का मुख्य उद्देश्य किसी वेबसाइट या प्लेटफ़ॉर्म पर **ट्रैफ़िक बढ़ाना** होता है।
यह आमतौर पर **विज्ञापन से आय (ad revenue)** प्राप्त करने, **पेज व्यूज़ बढ़ाने** या **एंगेजमेंट मीट्रिक्स सुधारने** के लिए किया जाता है। भले ही सामग्री में **सार्थक या सटीक जानकारी** न हो।

क्लिकबेट शीर्षकों की सामान्य विशेषताएँ :

•**अतिशयोक्ति भरे दावे:** जैसे "आप यकीन नहीं करेंगे कि आगे क्या हुआ!"

•**जिज्ञासा जगाने वाले वाक्य:** जो पाठक को क्लिक करने के लिए उत्सुक बनाते हैं।

•**भावनात्मक अपील:** डर, गुस्सा या आश्चर्य जैसी भावनाओं का उपयोग।

•**अधूरी जानकारी :** शीर्षक में सवाल उठाकर जवाब लेख के अंदर छोड़ दिया जाता है।

👉 **उद्देश्य:** पाठक का ध्यान खींचना और उन्हें लिंक पर क्लिक करने के लिए प्रेरित करना — चाहे सामग्री वास्तविक रूप से उतनी महत्वपूर्ण या सटीक न हो।

क्लिकबेट की पहचान कैसे करें:

1.**अत्यधिक भावनात्मक शीर्षक:** जो गुस्सा, डर या जिज्ञासा जगाते हैं।

2.**अधूरी जानकारी :** शीर्षक में सवाल या रहस्य बनाकर जवाब लेख में छिपाना।

3.**अविश्वसनीय स्रोत:** जिनमें प्रमाण या तथ्यात्मक आधार न हो।

4.**अत्यधिक वादे:** “आप हैरान रह जाएंगे!”, “यह देखकर आप रो पड़ेंगे!” जैसे वाक्य।

5.**सिर्फ क्लिक के लिए सामग्री :** जिसमें वास्तविक जानकारी कम और प्रचार या सनसनी अधिक हो।

समाचार कवरेज में पक्षपात या दृष्टिकोण की पहचान (Identifying Bias or Perspective in News Coverage)

01. हाल का या चल रहा मुद्दा चुनें:

ऐसा विषय चुनें जो भारतीय मीडिया में व्यापक रूप से कवर किया गया हो।

02. विषय का दायरा निर्धारित करें:

यह कोई **सामाजिक मुद्दा**, **बड़ी घटना**, या **किसी सार्वजनिक व्यक्ति की गतिविधि** हो सकती है।

03. पक्षपात के संकेतकों की पहचान करें:

ऐसे **शब्दों या वाक्यांशों** की सूची बनाएं जो किसी विशेष **दृष्टिकोण या झुकाव** को दर्शाते हों।

उदाहरण:

सर्दियों में दिल्ली में वायु प्रदूषण संकट (Coverage of the air pollution crisis in Delhi during winter) —

इस विषय पर विभिन्न मीडिया संस्थानों द्वारा उपयोग की गई भाषा और दृष्टिकोण की तुलना करें।

पक्षपात या दृष्टिकोण के संकेतक (Indicators of Bias or Perspective):

1. **शब्द चयन (Word Choice):** क्या लेख में ऐसे शब्दों का प्रयोग है जो भावनात्मक या नकारात्मक अर्थ देते हैं? उदाहरण: "विफल", "बेपरवाह", "कठोर कदम" आदि।
2. **स्रोतों का चयन (Source Selection):** क्या केवल एक पक्ष के विशेषज्ञ या प्रवक्ता को उद्धृत किया गया है?
3. **फ्रेमिंग (Framing):** क्या कहानी को किसी एक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है जिससे बाकी पक्षों को कम महत्व मिलता है?
4. **छवियों का उपयोग (Use of Images):** क्या चित्र या दृश्य सामग्री किसी विशेष भाव या राय को बढ़ावा देते हैं?
5. **तथ्यों की प्राथमिकता (Emphasis on Facts):** क्या कुछ तथ्यों को प्रमुखता देकर अन्य को नजरअंदाज किया गया है?

👉 उदाहरण के लिए: **दिल्ली में वायु प्रदूषण संकट** पर कवरेज में कुछ मीडिया संस्थान सरकार की नीतियों पर जोर दे सकते हैं, जबकि अन्य नागरिक व्यवहार या औद्योगिक प्रदूषण पर फोकस कर सकते हैं।

डिजिटल युग में समाचार और सूचना साक्षरता की चुनौतियाँ

1.Information Overload (सूचना की अधिकता):

अत्यधिक मात्रा में उपलब्ध डेटा के कारण विश्वसनीय स्रोतों की पहचान करना कठिन हो जाता है।

2.Misinformation and Disinformation (भ्रामक एवं गलत जानकारी):

गलत या झूठी जानकारी बहुत तेज़ी से फैलती है

3.Echo Chambers and Filter Bubbles (इको चैंबर और फ़िल्टर बबल्स):

व्यक्तिगत एल्गोरिद्म केवल उन्हीं विचारों को दिखाते हैं जिनसे हम पहले से सहमत होते हैं, जिससे विविध दृष्टिकोणों से दूरी बढ़ती है।

4.Decline in Traditional News Outlets (पारंपरिक समाचार संस्थानों का पतन):

खोजी पत्रकारिता के लिए संसाधनों की कमी से रिपोर्टिंग की गुणवत्ता और गहराई प्रभावित होती है।

5.The Speed of News Dissemination (समाचार प्रसार की गति):

तत्काल साझा करने की प्रवृत्ति से सटीकता की बजाय गति पर जोर दिया जाता है, जिससे अधूरी या अप्रमाणित रिपोर्टें सामने आती हैं।

6.Lack of मीडिया साक्षरता Education (मीडिया साक्षरता की शिक्षा का अभाव):

बहुत से लोगों में ऑनलाइन सामग्री का मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक आलोचनात्मक सोच (critical thinking) कौशल की कमी है।

7.Visual and Video Misinformation (दृश्य और वीडियो भ्रामक जानकारी):

बदले गए चित्रों और वीडियो के कारण दृश्य साक्ष्य पर भरोसा करना कठिन हो जाता है।

डिजिटल सूचना साक्षरता में प्रमुख चुनौतियों का समाधान (Addressing Key Challenges in Digital Information Literacy)

मीडिया साक्षरता शिक्षा को बढ़ावा देना:

स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में मीडिया साक्षरता (Media Literacy) को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि लोग ऑनलाइन सामग्री का आलोचनात्मक विश्लेषण करना सीख सकें।

स्रोत सत्यापन कौशल विकसित करना:

लोगों को सिखाया जाना चाहिए कि जानकारी साझा करने से पहले वे स्रोत की विश्वसनीयता, लेखक की पहचान और प्रकाशित तिथि की जाँच करें।

फैक्ट-चेकिंग टूल्स का उपयोग:

FactCheck.org, Alt News, BoomLive जैसे प्लेटफ़ॉर्म्स के माध्यम से खबरों की सच्चाई की जाँच की जा सकती है।

डिजिटल संयम और जागरूकता:

उपयोगकर्ताओं को सूचना की अधिकता (information overload) से बचने के लिए अपनी मीडिया खपत पर नियंत्रण रखना चाहिए।

Thank You

धन्यवाद